एन.एस.एस. गीत

हम सब मिलकर देश का अपने जग में नाम जगायेंगे

एन.एस.एस. का परचम लेकर आग बढते जायेंगे

जंगल भी है देश की दौलत आओ पेड लगाये हम

जो अनपढ भाई बहनें है उनको आज पढाये हम

श्रम एवं जयंते के बल पर भारत नया बनाये हम

हर भारतवासी के दिल में प्यार का दीप जलायेंगे

मकसद अपना तन मन धन से देश की सेवा करना है

कमजोरों और मजमूलों की हम को रक्षा करना है

जो भी खिदमत हो सकती है फर्ज है अपना करना है

हम भी क्या कुछ कर सकते है दुनिया को दिखलायेंगे

जात पात का भेद मिटाकर सब को गले लगाना है

उँच नीच की दीवारो को तोड के आगे जाना है

नेहरू और आझाद की बातें लोगों तक पहुॅचाना है

गांधीजी के सब सपनों को पूरा कर दिखलायेंगे